देवघर
गुरुवार, 5 अक्तूबर 2023
आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2080
~~मूल्य ₹ 3.00~~ कुल पृष्ठ 12
आमंत्रण मूल्य ₹ 2.00
epaper.indianpunch.com
वर्ष : 42, अंक : 272, रजिस्ट्रेशन : 39728/84

संताल परगना से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक
इंडियन पंच
तल्ख दिखे, निष्पक्ष लिखे

केंद्र ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना को अधिसूचित किया

नयी दिल्ली/एजेंसी। भारत सरकार ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना को अधिसूचित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना की एक जनसभा में इसकी स्थापना की घोषणा की थी। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड हल्दी के बारे में जागरूकता तथा खपत बढ़ाएगा और निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नये बाजार विकसित करेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बताया कि बोर्ड नये उत्पादों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा और मूल्यवर्धित हल्दी उत्पादों के लिए पारंपरिक ज्ञान को विकसित करेगा।

चीन को बड़ी सैन्य क्षति, परमाणु पनडुब्बी ... 9

डीपीएस आसनसोल में मनाया गया ग्रैंड पेरेंट्स डे

बुजुर्गों की उपस्थिति किसी आशीर्वाद से कम नहीं होती : एचएम

आसनसोल/संवाददाता

जीवन में कई ऐसे मोड़ आते हैं जब लगता है कि काश हमें कोई सही राह दिखाने वाला होता और हम उदास होकर बैठ जाते हैं। ऐसे में दादा-दादी हमें अपने व्यक्तिगत अनुभव से दुनिया की परख देते हैं जो कि हमें कोई भी पुस्तक या इंटरनेट नहीं दे सकता। बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास एवं दादा-दादी के प्रति सम्मान के लिए

डीपीएस आसनसोल में बुधवार को ग्रैंड पेरेंट्स डे मनाया गया। कार्यक्रम में छात्रों के दादा-दादी को आमंत्रित किया गया। दादा-दादी अपने नन्हें-मुन्नों के साथ विद्यालय पहुंच उत्सुकता दिखायी। कहा भी जाता है कि मूलधन से ज्यादा प्रिय ब्याज होता है। छात्रों ने दादा-दादी को तिलक लगा तथा प्रणाम कर उनका स्वागत किया। लकी ड्रा के द्वारा कक्षा एक के रेयांश दास के दादा-दादी को मुख्य अतिथि के रूप में चुना गया। बच्चों ने दादा-दादी के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। एचएम विनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों को संबोधित करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की उपस्थिति किसी आशीर्वाद से कम नहीं होती। सफल होने के लिए बड़ों का आशीर्वाद बहुत ही आवश्यक है। दादा-दादी के साथ बिताया समय सबसे यादगार होता है। अंत में उपस्थित सभी अतिथियों को जलपान और जीवन की सुखमय शुरूआत के प्रतीक पौधों को भेंट कर कार्यक्रम का समापन हुआ।